



Kd



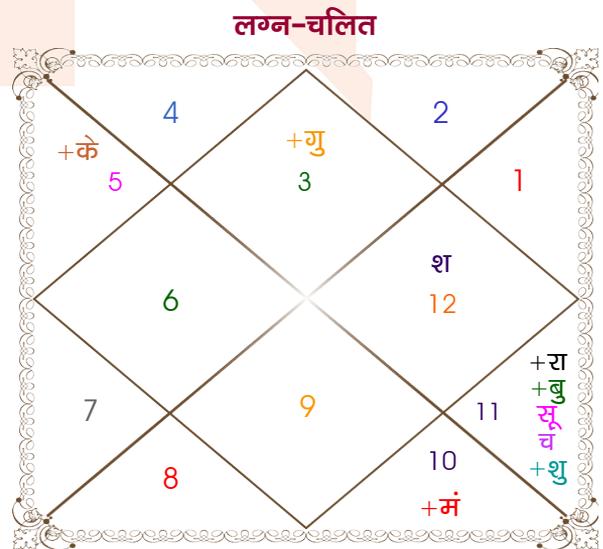
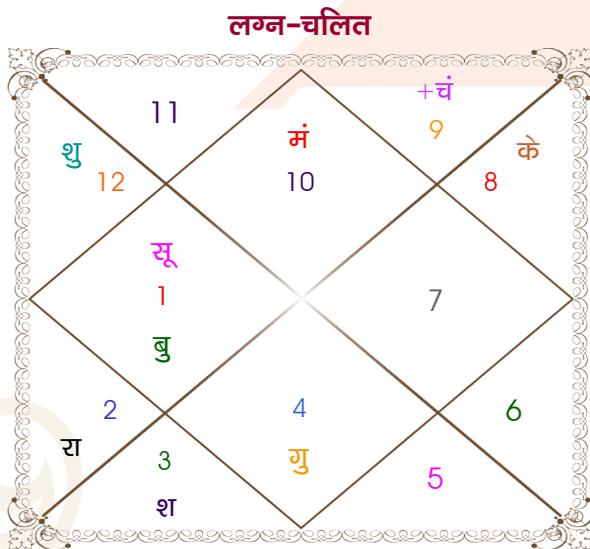
Md

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121304902

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 22-23/04/2003 : _____ जन्म तिथि _____ : 17/02/2026
 मंगल-बुधवार : _____ दिन _____ : मंगलवार
 घंटे 01:20:00 : _____ जन्म समय _____ : 13:41:00 घंटे
 घटी 47:58:58 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 16:12:25 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jodhpur : _____ स्थान _____ : Delhi
 26:18:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 73:08:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:37:28 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:08:24 : _____ सूर्योदय _____ : 06:58:10
 19:04:44 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:12:29
 23:53:56 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:27

विंशोत्तरी सूर्य 4वर्ष 6मा 13दि राहु	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 2वर्ष 2मा 6दि मंगल
04/11/2024	04:26:02	मक	लग्न	मिथु	06:41:04	17/02/2026
04/11/2042	08:22:09	मेष	सूर्य	कुंभ	04:26:37	25/04/2028
राहु	29:55:11	धनु	चंद्र	कुभ	02:30:21	00/00/0000
18/07/2027	06:36:12	मक	मंगल	मक	25:20:07	00/00/0000
गुरु	26:00:29	मेष	बुध	कुंभ	22:14:06	00/00/0000
10/12/2029	14:42:17	कर्क	गुरु व	मिथु	21:38:03	00/00/0000
शनि	07:29:15	मीन	शुक्र	कुंभ	14:25:45	00/00/0000
बुध	01:18:21	मिथु	शनि	मीन	06:08:48	00/00/0000
केतु	05:53:25	वृष	राहु व	कुंभ	14:43:12	17/02/2026
शुक्र	05:53:25	वृश्चि	केतु व	सिंह	14:43:12	केतु 20/03/2026
सूर्य	08:05:58	कुंभ	हर्ष	वृष	03:18:48	शुक्र 20/05/2027
चन्द्र	19:08:26	मक	नेप	मीन	06:24:56	सूर्य 25/09/2027
मंगल	25:48:14	वृश्चि व	प्लूटो	मक	09:58:39	चन्द्र 25/04/2028



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Kd का वर्ग मूषक है तथा Md का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Kd और Md का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Kd मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समाप्त समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Kd की कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Kd की कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Md मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Md कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Kd कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Kd तथा Md में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

